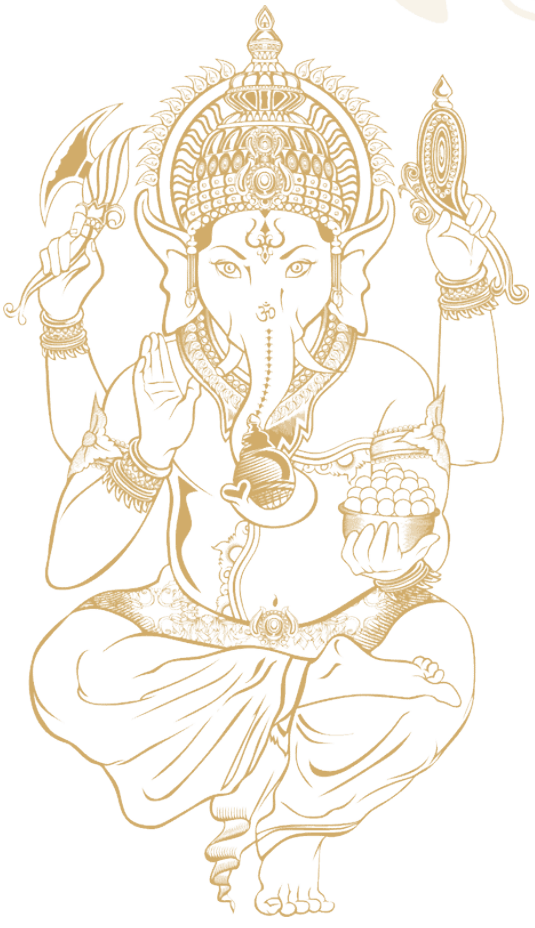

????????? ?????

10 May 1964

08:51 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121845602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/05/1964**
दिन	रविवार
जन्म समय	**08:51:30 घंटे**
इष्ट	08:14:11 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:30:22 घंटे
वेलान्तर	00:03:39 घंटे
साम्पातिक काल	23:42:13 घंटे
सूर्योदय	05:33:49 घंटे
सूर्यास्त	19:01:41 घंटे
दिनमान	13:27:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	26:08:29 मेष
लग्न के अंश	14:59:14 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	आयुष्मान
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:59:14	320:00:32	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			मेष	26:08:29	00:58:00	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	उच्च राशि
चंद्र			मेष	01:50:57	14:43:21	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मेष	08:32:43	00:45:00	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
बुध	व		मेष	08:10:38	00:02:29	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु			मेष	13:18:32	00:14:12	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	07:14:56	00:35:24	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि			कुंभ	10:38:14	00:03:24	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु	व		मिथु	09:30:19	00:06:38	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	09:30:19	00:06:38	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष	व		सिंह	12:33:58	00:00:11	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
नेप	व		तुला	23:01:51	00:01:38	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
प्लूटो	व		सिंह	18:16:38	00:00:23	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
दशम भाव			मीन	01:47:43	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:21:14

लग्न-चलित

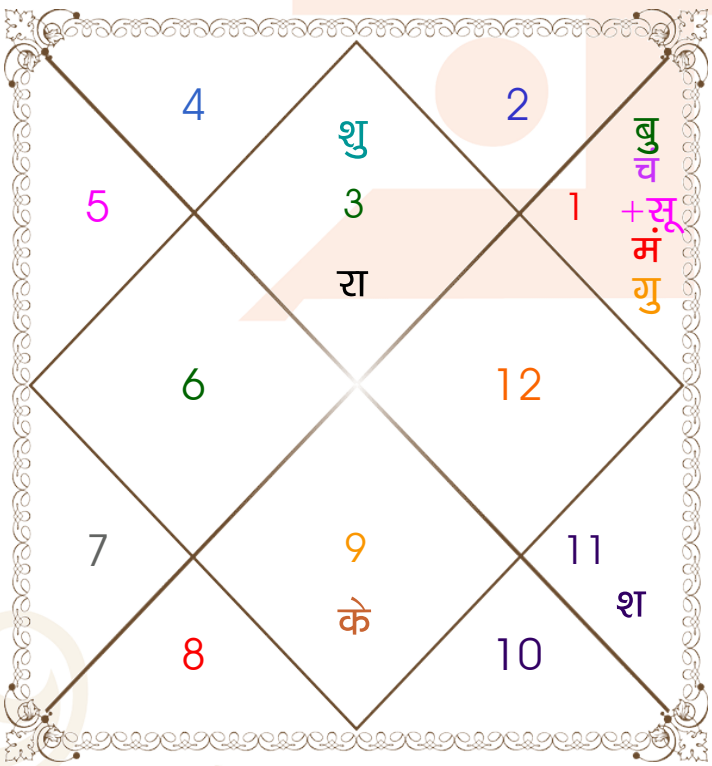

चन्द्र कुंडली

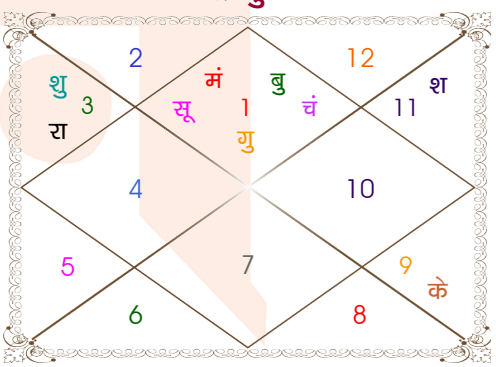

नवमांश कुंडली

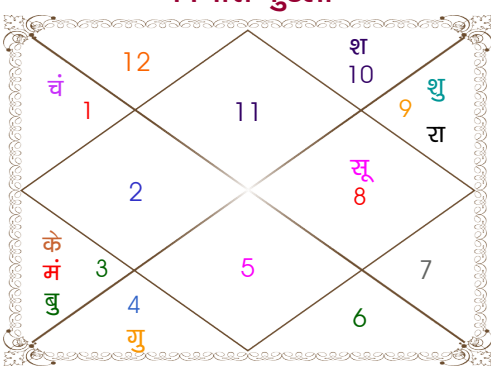

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 0 मास 10 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/05/1964		21/05/1970		21/05/1990		21/05/1996		21/05/2006	
21/05/1970		21/05/1990		21/05/1996		21/05/2006		21/05/2013	
	10/05/1964	शुक्र	20/09/1973	सूर्य	08/09/1990	चंद्र	21/03/1997	मंगल	17/10/2006
शुक्र	17/12/1964	सूर्य	20/09/1974	चंद्र	09/03/1991	मंगल	20/10/1997	राहु	05/11/2007
सूर्य	23/04/1965	चंद्र	21/05/1976	मंगल	15/07/1991	राहु	21/04/1999	गुरु	11/10/2008
चंद्र	22/11/1965	मंगल	21/07/1977	राहु	08/06/1992	गुरु	20/08/2000	शनि	19/11/2009
मंगल	21/04/1966	राहु	20/07/1980	गुरु	27/03/1993	शनि	21/03/2002	बुध	17/11/2010
राहु	09/05/1967	गुरु	21/03/1983	शनि	09/03/1994	बुध	21/08/2003	केतु	15/04/2011
गुरु	14/04/1968	शनि	21/05/1986	बुध	13/01/1995	केतु	21/03/2004	शुक्र	14/06/2012
शनि	24/05/1969	बुध	21/03/1989	केतु	21/05/1995	शुक्र	19/11/2005	सूर्य	20/10/2012
बुध	21/05/1970	केतु	21/05/1990	शुक्र	21/05/1996	सूर्य	21/05/2006	चंद्र	21/05/2013

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/05/2013		21/05/2031		21/05/2047		21/05/2066		21/05/2083	
21/05/2031		21/05/2047		21/05/2066		21/05/2083		00/00/0000	
राहु	01/02/2016	गुरु	09/07/2033	शनि	24/05/2050	बुध	17/10/2068	केतु	17/10/2083
गुरु	27/06/2018	शनि	20/01/2036	बुध	31/01/2053	केतु	14/10/2069	शुक्र	10/05/2084
शनि	03/05/2021	बुध	27/04/2038	केतु	12/03/2054	शुक्र	14/08/2072		00/00/0000
बुध	20/11/2023	केतु	03/04/2039	शुक्र	12/05/2057	सूर्य	20/06/2073		00/00/0000
केतु	07/12/2024	शुक्र	02/12/2041	सूर्य	24/04/2058	चंद्र	20/11/2074		00/00/0000
शुक्र	08/12/2027	सूर्य	20/09/2042	चंद्र	23/11/2059	मंगल	17/11/2075		00/00/0000
सूर्य	01/11/2028	चंद्र	20/01/2044	मंगल	01/01/2061	राहु	05/06/2078		00/00/0000
चंद्र	03/05/2030	मंगल	26/12/2044	राहु	08/11/2063	गुरु	10/09/2080		00/00/0000
मंगल	21/05/2031	राहु	21/05/2047	गुरु	21/05/2066	शनि	21/05/2083		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 0 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।